

साहित्य

पत्र संख्या - DSCC - 8

पाठ्यक्रम विवरणम् -

काव्यशास्त्रीयाः सम्प्रदायाः

| भाग - 1 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 1 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

१. रससम्प्रदायः

- * रससम्प्रदायस्य आचार्याः तद्ग्रन्थाश्च
- * रससम्प्रदायस्य सिद्धान्तः

| भाग - 2 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 2 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

२. अलङ्कार- रीतिसम्प्रदायौ

- अलङ्कारसम्प्रदायस्य आचार्याः तद्ग्रन्थाश्च
- अलङ्कारसम्प्रदायस्य सिद्धान्तः
- रीतिसम्प्रदायस्य आचार्यस्तद्ग्रन्थश्च
- रीतिसम्प्रदायस्य सिद्धान्तः

| भाग - 3 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 3 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

३. ध्वनिसम्प्रदायः

- ध्वनिसम्प्रदायस्य आचार्याः तद्ग्रन्थाश्च
- ध्वनिसम्प्रदायस्य सिद्धान्तः

| भाग - 4 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 4 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

४. वक्रोक्ति-औचित्यसम्प्रदायौ

- वक्रोक्ति सम्प्रदायस्य आचार्यः तद्ग्रन्थश्च
- वक्रोक्ति सम्प्रदायस्य सिद्धान्तः
- औचित्यसम्प्रदायस्य आचार्यः तद्ग्रन्थश्च
- औचित्यसम्प्रदायस्य आचार्यः तद्ग्रन्थश्च

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

सहायकग्रन्थाः - १. काव्यतत्त्वालोकः -

डा. सुज्ञानकुमारमाहान्तिविरचितः (केन्द्रीयसंस्कृतविद्यापीठ-
तिरुपतितः प्रकाशितः)

२. संस्कृतकाव्यशास्त्रेतिहासः जगदीशचन्द्रमिश्रकृतः
३. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र---डाँ. सत्यदेव चौधरी, डाँ.
शन्तिस्वरूप गुप्ता अशोक प्रकाशन, नवीन संस्करण-२०१८
४. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान---प्रो. हरिमोहन ।
वाणी प्रकाशन, प्रथम संस्करण-२०१३
५. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास - आचार्य रेवाप्रसाद
द्विवेदी, २८, महामनापुरी, काशीहिन्दूविश्वविद्यालय, वाराणसी ।
६. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डा. अमरनाथ
पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
७. नाट्यशास्त्रम् - आचार्यभरतकृतम्
८. साहित्यदर्पणः - आचार्यविश्वनाथकृतः
९. काव्यालङ्कारः - भामहकृतः
१०. काव्यालङ्कारः - रुद्रकृतः
११. काव्यालङ्कारसूत्रम् - वामनकृतम्
१२. अलंकारसर्वस्वम् - राजानरुय्यककृतम्
१३. चन्द्रालोकः - जयदेवकृतः
१४. ध्वन्यालोकः - आचार्यानन्दवर्धनकृतः
१५. वक्रोक्तिजीवितम् - आचार्यकुन्तककृतम्
१६. औचित्यविचारचर्चा - आचार्यक्षेमेन्द्रकृता

साहित्य

पत्र संख्या - DSCC - 9

पाठ्यक्रम विवरणम् -

दृश्यकाव्यम् - अभिज्ञानशाकुन्तलम् (भाग: २)

| | | | |
|---------|-------------|-----------|--------------|
| भाग - 1 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 1 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|

१. पञ्चमोऽङ्कः

- राजा- भो वयस्य इत्यारभ्य अपरिच्छेदाकुलं मे मनः इति यावत्।
- प्रतीहारी- सुचरितनन्दिनः ऋषयः इत्यारभ्य शकुन्तला- साम्प्रतं ते आशङ्का इति यावत्।
- शार्ङ्गरवः- किं कृतकार्यं इत्यारभ्य राजा- श्रोतव्यमिदानीं संवृत्तम् इति यावत्।
- शकुन्तला- ननु एकस्मिन् इत्यारभ्य पञ्चमाङ्कसमाप्तिं यावत्।

| | | | |
|---------|-------------|-----------|--------------|
| भाग - 2 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 2 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|

२. षष्ठोऽङ्कः (भाग:१)

- रक्षिणौ- अरे कुम्भीरक इत्यारभ्य श्यालः- तत् शौण्डिकापणमेव गच्छामः इति यावत्।
- सानुमती- निर्वर्तितं मया इत्यारभ्य उभे- तथा (निष्क्रान्ते) इति यावत्।

| | | | |
|---------|-------------|-----------|--------------|
| भाग - 3 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 3 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|

३. षष्ठोऽङ्कः (भाग:२)

- कञ्चुकी- अहो! सर्वास्ववस्थासु इत्यारभ्य राजा- तत्तमेव मार्गमादेशय इति यावत्।
- विदूषकः- एष मणिशिलापट्टक इत्यारभ्य षष्ठाङ्कसमाप्तिं यावत्।

| | | | |
|---------|-------------|-----------|--------------|
| भाग - 4 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 4 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|

४. सप्तमोऽङ्कः

- राजा- मातले, अनुष्ठितनिदेशोऽपि इत्यारभ्य मातलिः- एतावानेव शतक्रतोः आयुष्मतश्च विशेषः इति यावत्।
- मातले, कतमस्मिन् प्रदेशे इत्यारभ्य सप्तमाङ्कसमाप्तिं यावत्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १.अभिज्ञानशाकुन्तलम्

सहायक ग्रन्थाः -

१. संस्कृतसाहित्येतिहासः

साहित्य

पत्र संख्या - DSCC - १०

पाठ्यक्रम विवरणम् -

नायकभेदाः नायिकाभेदाश्च

| भाग - 1 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 1 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

१. नायकभेदाः

- धीरोदात्तलक्षणं तदुदाहरणञ्च
- धीरोद्धतलक्षणं तदुदाहरणञ्च
- धीरललितलक्षणं तदुदाहरणञ्च
- धीरप्रशान्तलक्षणं तदुदाहरणञ्च
- दक्षिणादिषोडशभेदकथनम्
- दक्षिणनायकलक्षणं तदुदाहरणञ्च
- धृष्टनायकलक्षणं तदुदाहरणञ्च
- अनुकूलनायकलक्षणं तदुदाहरणञ्च
- शठनायकलक्षणं तदुदाहरणञ्च
- नायकसहायकाः

| भाग - 2 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 2 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

२. नायिकाभेदाः

- स्वीयालक्षणं तद्भेदकथनञ्च
- मुग्धालक्षणं तदुदाहरणञ्च
- मध्यालक्षणं तदुदाहरणञ्च
- प्रगल्भालक्षणं तदुदाहरणञ्च
- मध्यायाः धीराऽधीरा-धीराऽधीरात्वेन त्रिभेदत्वनिरूपणम्
- प्रगल्भायाः धीराऽधीरा-धीराऽधीरात्वेन त्रिभेदत्वनिरूपणम्
- परकीयालक्षणं तद्भेदकथनञ्च
- परोढालक्षणं तदुदाहरणञ्च

- कन्यकालक्षणं तदुदाहरणञ्च
- सामान्यनायिकालक्षणं तदुदाहरणञ्च
- अवस्थाभेदेन नायिकायाः षोडशभेदाः

| | | | |
|---------|-------------|-----------|--------------|
| भाग - 3 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 3 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|

३. नायिकालङ्काराः
- अङ्गजा नायिकालङ्काराः
 - अयत्नजा नायिकालङ्काराः
 - स्वभावजा नायिकालङ्काराः

| | | | |
|---------|-------------|-----------|--------------|
| भाग - 4 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 4 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|

४. नायिकानुरागेङ्गितानि
- मुग्धाकन्ययोः अनुरागेङ्गितानि
 - सकलनायिकानाम् अनुरागेङ्गितानि

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - तृतीयपरिच्छेदस्य चितो भागः।

सहायक ग्रन्थाः -

१. नाट्यशास्त्रम् – आचार्यभरतविरचितम्
२. दशरूपकम् – धनञ्जयकृतम्
३. रसमञ्जरी – भानुदत्तकृता